vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- i`th;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 16 vad % 25 y[kuÅ] exyokj 07 vDVwcj 2025 ls 13 vDVwcj 2025 rd i`"B&8 eY; % ,d :i;k

सीजेआई गवई पर की जूता फेंकने की कोशिश, आरोपी हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना तब घटी जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा मामलों की सुनवाई कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, वकील मंच के पास गया और अपना जूता निकालकर जज पर फेंकने की कोशिश की। हालाँकि, अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और वकील को बाहर निकाल दिया। बाहर निकलते समय वकील को यह कहते सुना गया कि सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा इस सब से विचलित न हों। हम विचलित नहीं हैं। ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। यह घटना संभवतः खजुराहो में भगवान विष्णु की सात

फुट ऊँची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना से संबंधित एक पूर्व मामले में मुख्य न्यायाधीश गवई की टिप्पणियों से प्रेरित थी। उस मामले को खारिज करते हुए उन्होंने कहा था जाओ और देवता से ही कुछ करने को कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो अभी जाकर प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अनुमति वगैरह देनी होगी। इस टिप्पणी से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया था और कई लोगों ने मुख्य न्यायाधीश पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया था। दो दिन बाद खुली अदालत में इस विवाद पर बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि उनका कोई अनादर करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ... यह सब सोशल मीडिया पर हुआ।' केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश का समर्थन करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर अक्सर घटनाओं पर प्रतिक्रियाओं को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है।

स्वच्छताकर्मियों का कोई शोषण नहीं कर पाएगा, जल्द ही उनके अकाउंट में आएंगे १६ से २० हजार रुपयेः मुख्यमंत्री

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार कहा कि कोई भी सफाईकर्मियों का शोषण नहीं कर पाएगा और जल्द ही उनके खाते में १६ से २० हजार रुपये भेजे जाएंगे। योगी सोमवार को यहां पिपलानी कटरा में "स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह" में शामिल हुए। उन्होंने 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान करने वाले स्वच्छता मित्रों का सम्मान किया और स्वच्छता किट वितरित किया। योगी ने सफाईमित्रों पर पुष्पवर्षा भी की। उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर को भगवान वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। योगी ने कहा, "भगवान वाल्मीकि भारत की ऋषि परंपरा, सनातन धर्म के भाग्य विधाता हैं। वह हम सभी के रोम–रोम और श्वांस–श्वांस में भगवान राम का वास कराने वाले त्रिकालदर्शी ऋषि भी हैं।" उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि दुनिया के पहले सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य को रचने वाले आदिकवि भी हैं। योगी ने कहा कि कुछ ही दिनों के अंदर स्वच्छताकर्मियों के बैंक खातों में सीधे १६ से २० हजार रुपये भेजे जाएंगे और कोई उनका शोषण नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार सफाईकर्मियों व स्वच्छता मित्रों को पांच लाख रुपये के आयुष्मान भारत कार्ड की स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराने जा रही ही। मुख्यमंत्री

ने प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि २०१४ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की और उनका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति प्रत्येक नागरिक को जागरूक करना था। उन्होंने आह्वान किया कि प्रदेश स्तर पर प्रयास करना चाहिए कि दीपावली पर हर स्वच्छता मित्र व सफाईकर्मी को मिष्ठान वितरित करें और हर गरीब के घर में भी दीप जले और दीपावली की मिठाई जरूर पहुंचे। योगी ने कहा, "यही समाज की समरसता है। हमारा काम जोड़ना है, तोड़ने के लिए सपा (समाजवादी पार्टी)– कांग्रेस पहले से बैठी है। हमें समाज को तोड़ने नहीं देना है।" सीएम ने कहा कि पर्व अकेले मनाने के आयोजन नहीं होते। सीएम ने आह्वान किया कि प्रदेश स्तर पर प्रयास करना चाहिए कि दीपावली पर हर स्वच्छता मित्र व स्वच्छता कर्मी को मिष्ठान वितरित करें। हर गरीब के घर में भी दीप जले और दीपावली की मिठाई जरूर पहुंचे। जब गरीब अपने घर में दीपक जलाएगा और मिष्ठान का स्वाद लेगा तो हमारी दीपावली भी बहुत अच्छी होगी। यही समाज की समरसता है। हमारा काम जोड़ना है, तोड़ने के लिए सपा–कांग्रेस पहले से बैठी है। हमें समाज को तोड़ने नहीं देना है। एक भारत–श्रेष्ठ भारत, समर्थ–सशक्त भारत, विकसित और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बनेगी। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

सोनम वांगचुक के खिलाफ 'झूठे अभियान' पर पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में, कहा- बदनामी की साजिश।

नई दिल्ली। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनके खिलाफ चल रहे "झूठे और सुनियोजित अभियान" पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वांगचुक पर पाकिस्तान और चीन से संबंध होने के आरोप निराधार हैं और इन्हें केवल उनके गांधीवादी आंदोलन को बदनाम करने के लिए फैलाया जा रहा है। गीतांजलि ने याचिका में बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत वांगचुक की हिरासत के बाद उनके खिलाफ गलत प्रचार किया गया। इसमें कहा जा रहा है कि उनके पाकिस्तान और चीन से संबंध हैं, जो पूरी तरह गलत है। उनका यह आंदोलन लद्दाख की संवेदनशील पारिस्थितिकी, ग्लेशियरों और स्थानीय लोगों की आजीविका की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीके से चलाया जा रहा है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इस तरह का प्रचार खतरनाक है और लोकतांत्रिक असहमति को कलंकित करता है। यह पर्यावरणीय आंदोलनों को "राष्ट्रविरोधी" दिखाने का प्रयास है। गीतांजलि ने अदालत से अपील की कि वांगचुक की गिरफ्तारी उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और लद्दाख की सामूहिक चेतना को भी चोट पहुँचाती है। गीतांजलि ने वांगचुक के गांधीवादी चरित्र पर जोर दिया और बताया कि उन्होंने हमेशा अहिंसक और शांतिपूर्ण तरीके से लद्दाख की परेशानियों, पिघलते ग्लेशियर और स्थानीय लोगों की संवैधानिक मांगों विशेष रूप से छठी अनुसूची के तहत संरक्षण

और स्वायत्तता के लिए आवाज उठाई है। बता दें कि सोनम वांगचुक को २६ सितंबर को लद्दाख में बड़े प्रदर्शनों के बाद रासुका के तहत गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई थी। प्रदर्शन के दौरान चार लोगों की मौत हुई और लगभग ६० लोग घायल हुए। वांगचुक वर्तमान में राजस्थान के जोधपुर जेल में बंद हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद देशभर में पर्यावरण कार्यकर्ताओं और सिविल सोसाइटी समूहों ने चिंता जताई है और इसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलनों को दबाने की कोशिश बताया है।

आगे वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा बनेगी संस्कृत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत के उत्थान के लिए सरकार छात्रवृत्ति और उच्च स्तर पर शोध के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन सोमवार को वाराणसी के शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई–कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के १४वें सत्रांत के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने लगभग २५० बालक–बालिकाओं को सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किये। आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है। उन्होंने कहा कि महाज्ञानी पाणिनि उसी के छात्र थे, जिनका व्याकरण हमें देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था और आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपूर्णा आश्रम के महंत शंकर पुरी को धन्यवाद दिया।

सम्पादकीय

हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी

बिहार के राजनीतिक दलों में बनी यह सहमति महत्त्वपूर्ण है कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान एक या अधिक से अधिक दो चरणों में कराया जाना चाहिए। निर्वाचन आयुक्तों के साथ बैठक में इन दलों ने यह राय दो–टूक लहजे में बताई। उनका यह तर्क गौरतलब है कि राज्य में ना तो कानून–व्यवस्था की कोई समस्या है और ना ही अब पहले जैसे नक्सल ग्रस्त इलाके हैं, जिन्हें तर्क बना कर अनेक चरणों में मतदान कराने की शुरुआत की गई थी। हालांकि १९९० के दशक में जब यह शुरुआत हुई, तब भी इसके पीछे की मंशा पर सवाल उठे थे, लेकिन तब प्रभु वर्ग में बिहार और पश्चिम बंगाल को लेकर एक खास तरह का प्रतिक्रिया भाव था, जिससे आयोग इस योजना को अमली जामा पहना सका। कई चरणों में मतदान धीरे–धीरे देश के अनेक हिस्सों में आम चलन बन गया। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। जबकि यह सत्ताधारी दलों के अनुकूल रहा है। अच्छी बात है कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों की बिहार की ईकाइयों ने भी निर्वाचन आयोग के सामने कहा कि एक या दो चरणों में चुनाव करवा कर दलों एवं उम्मीदवारों को अतिरिक्त खर्च के बोझ से बचाया जा सकता है। खर्च के अलावा हाल में एक दूसरी समस्या भी खड़ी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के रख–रखाव और उस दौरान कथित हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी बन गया है। इस संबंध में मतदान से लेकर मतगणना के दिन तक सोशल मीडिया पर तरह–तरह की चर्चाएं छायी रहती हैं। इसका भी समाधान मतदान के बाद यथाशीघ्र गणना ही है। वैसे भी वोट डालने के बाद हफ्तों या कई बार महीने भर से भी ज्यादा तक परिणाम का इंतजार करना विसंगति भरा अहसास देता है। इसलिए बिहार के दलों ने जो कहा है, निर्वाचन आयोग को अवश्य ही उसके अनुरूप चुनाव कार्यक्रम घोषित करना चाहिए। इससे एक नई शुरुआत होगी, जिसे देश भर में अपनाया जा सकेगा।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर, ३ अक्टूबर। शारदीय नवरात्र और विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में लगातार चार दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह जन

समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब २०० लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

मिशन शक्ति के तहत छात्रा संध्या शर्मा बनीं एक दिन की प्रधानाचार्या

लखनऊ/अलीनगर सुनहरा। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत आज बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा नगर क्षेत्र जोन एक में कक्षा आठ की छात्रा संध्या शर्मा

को एक दिन के लिए प्रधानाचार्या का पदभार सौंपा गया। संध्या शर्मा ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत विद्यालय के सरकारी कार्यों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को बारीकी से समझा तथा विद्यालय संचालन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने छात्रा संध्या का उत्साहवर्धन किया और उनके नेतृत्व कौशल की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इस पहल के माध्यम से छात्राओं को समाज में अपनी भूमिका को और बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है। संध्या शर्मा ने कहा कि उन्हें यह अवसर पाकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है और आगे चलकर वे शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देना चाहेंगी।

नलकूपों से पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए अपनाएं वैज्ञानिक पद्धति – मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजकीय नलकूपों के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नलकूपों से पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाई जाए और वाटर कंजर्वेशन की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा का मौसम इसके लिए सबसे उपयुक्त है। इससे भूगर्भीय जल स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी और डार्क जोन वाले क्षेत्रों में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना, बाण सागर, मध्य गंगा जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा कर उसमें कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के सशक्त क्रियान्वयन से ग्रामीण और शहरी इलाकों में पानी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने तराई क्षेत्र के किसानों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि रिजर्व वायर को डिसिल्ट कर उसे पुनर्जीवित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई

की सुविधा मिल सके। साथ ही, कटान रोकने के लिए सिल्ट का उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नलकूपों का प्राथमिकता के आधार पर जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण किया जाए। इससे सिंचाई क्षमता बढ़ेगी, किसानों की लागत घटेगी और उन्हें आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नलकूपों के आधुनिकीकरण व जीर्णोद्धार के कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता न किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। नलकूपों के आधुनिकीकरण और जल संरक्षण की इन पहलों से आने वाले समय में राज्य का कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिलेगी।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर स्वास्थ्य, पर्यावरण, सदभाव जागरूकता साईकल रैली।

लखनऊं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अहिंसा, सद्भाव और स्वस्थ जीवन का संदेश देने के लिए महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। बिस्तर छोड़ो आंदोलन के साथ मुस्कराती, गुनगुनाती सुबहे लखनऊ को आनन्दमय बनाने के लिए के डी सिंह बाबू स्टेडियम से साईकिल रैली का आयोजन शहीद भगत सिंह तरण ताल, महानगर और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के तैराकों द्वारा किया गया। जिसमें प्रमुखता से अग्रवाल साइकिल स्टोर्स के संचालक सुमित अग्रवाल और उनके परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। सुमित अग्रवाल के पुत्र सुधांशु, परिवार की पांचवीं पीढ़ी से आते है और युवाओं को साइकिल रैली के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सांप्रदायिक सद्भाव, अहिंसा और लाल बहादुर शास्त्री की तरह ईमानदारी, निष्ठा से काम करने का संदेश प्रेरणा स्वरूप सभी को देते हैं। साइकिल रैली में तीन पीढ़ियों का उत्साह देखने को मिला जहां १० साल की बेटी ने पूरे उत्साह से साइकिल यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न किया तो वही ८० साल के बुजुर्ग भी पीछे रहने वाले नहीं थे और ६ किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी करने के बाद भी उत्साह में। कमी नही दिखाई पड़ रही थी। शिक्षा क्षेत्र से आने वाले जनाब अतहर ने साईकिल रैली के इस आयोजन और उद्देश्य की सराहना करते हुए कहा की वर्तमान समय में जब ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और सड़क पर चलने वाले वाहनों से प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है तो साइकिल न सिर्फ एक बेहतर विकल्प है बल्कि कहीं ना कहीं साइकिल चलाने से स्वास्थ्य में सुधार तो होता ही है और जीवन को निरोग बनाने में साइकिल का बड़ा योगदान है। उन्होंने योगी सरकार से अनूठी पहल करते हुए सप्ताह में तीन दिन के लिए सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों में आने जाने के लिए साईकिल अनिवार्य किये जाने की बात कही है जिससे न सिर्फ प्रदेश में पर्यावरण में सुधार होगा बल्कि सरकारी कर्मचारियों, छात्रों को चुस्त दुरुस्त बनाने में भी सहायता मिलेगी। साइकिल रैली के मुख्य आयोजन कर्ता लखनऊ के डिग्री कज्जूलेज के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं यह कहा कि गांधी जयंती के दिन आयोजित साईकिल रैली से लखनऊ निवासियों की नवाबियत को दूर करने के लिए बिस्तर छोड़ो अभियान प्रारम्भ किया जाएगा, जिस तरह १९४२ मे

भारत छोड़ो आंदोलन का संदेश गांव गांव पहुंचाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल हुआ था वैसे ही लखनऊ के लोगों को साईकिल चलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा और बिस्तर छोड़ो, हष्ट, पुष्ट, मस्त, रहो, के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए ब लीवुड के स्टार संदीप यादव को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। साईकिल रैली के इस आयोजन पर संदीप यादव द्वारा गांधी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देते हुए सभी स्कूल के छात्र, छात्राओं, एवं उनके माता–पिता से आव्हान किया है कि स्कूल आने जाने वाले छात्र–छात्राओं को मोटरसाइकिल न देकर साइकिल से स्कूल आने जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साईकिल रैली के मुख्य संयोजक पंडित विजय द्विवेदी और आसिफ द्वारा बताया गया कि मौसम के बदलाव के कारण स्विमिंग पूल बंद हो गए हैं जिससे शरीर को फिट रखने के साथ–साथ एक दूसरे से जुड़ाव, एकता और सहयोग की भावना को बनाए रखने के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया गया था। लेकिन लोगों का उत्साह देखते हुए और समाज को साईकिल चलाने के लिए जागरूक करने के लिए भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे। सामाजिक कार्यों में अभूतपूर्व योगदान देने के कारण राष्ट्रपति पदक से सम्मानित समाजसेवी आरिफ ने बताया की भविष्य में साइकिल रैली के आयोजन में लोगों को जागरूक करने के लिए न सिर्फ अनेक पुरस्कार दिए जाएंगे बल्कि परिवार की कई पीढ़ियों को एक साथ लाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा और लखनऊ वासियों की नवाबियत को दूर भगाने के लिए बिस्तर छोड़ो की मुहिम पर हर संभव प्रयास किया जाएगा। साईकिल रैली का समापन करते हुए आरिफ, राजेश पांडे, दिनेश गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, शरद और रमेश चंद्र सैनी द्वारा अग्रवाल परिवार का आभार व्यक्त करते हुए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

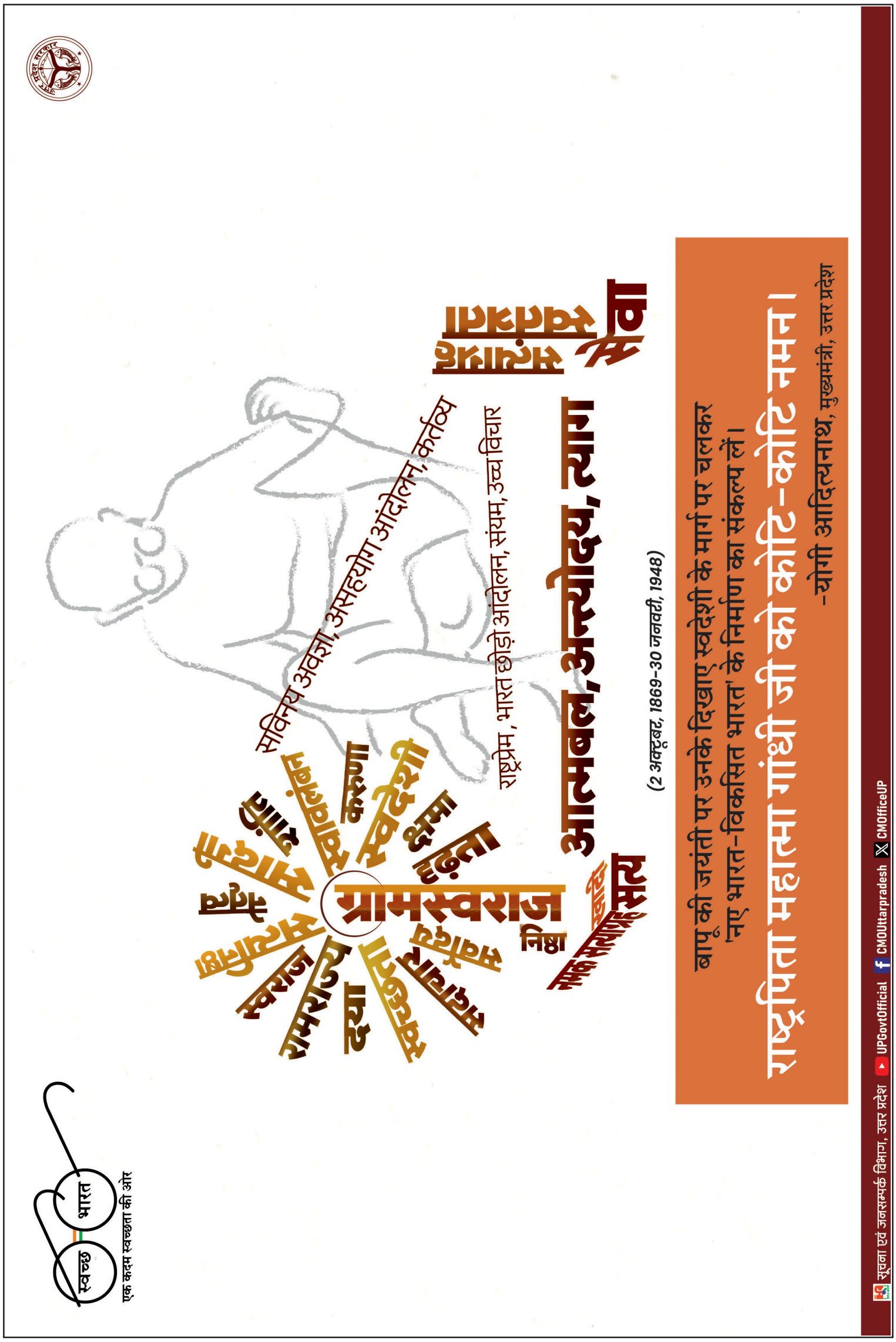

'एक पेड़ मां के नाम' की तर्ज पर चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप निर्माण को बनाएं जनांदोलः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर धीरे–धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की तुलना में यह काफी किफायती है। उन्होंने निर्देशित किया कि 'एक पेड़ मां के नाम' की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न भागों स्थानीयध्बरसाती नदी/नालों में विभाग द्वारा अद्यतन ६,४४८ चेकडैमों का निर्माण किया जा चुका है। प्रत्येक चेकडैम से औसतन २० हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता विकसित होती है। इस प्रकार निर्मित चेकडैमों से कुल १,२८,९६० हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई है और हर साल १० हजार हेक्टेयर मीटर से अधिक भूजल रिचार्ज हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से अन्नदाता किसान वर्ष में दो से तीन फसल लेने में सक्षम हुए हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष २०२२–२३ से अब तक १,००२ चेकडैमों की डी–सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के १

से ५ हेक्टेयर के १६,६१० तालाबों में से १,३४३ का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष २०१७–२०२५ तक ६१६२ ब्लास्टकूप के माध्यम से १८५७६ हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी १ अप्रैल से १५ जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में १०० वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए यह कदम निर्णायक साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि २०१७ तक प्रदेश में ८२ अतिदोहित और ४७ क्रिटिकल क्षेत्र थे। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष २०२४ में यह घटकर ५० अतिदोहित और ४५ क्रिटिकल क्षेत्र रह गए हैं, जो संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में और तेजी लाकर आने वाले वर्षों में इन क्षेत्रों को पूरी तरह सामान्य श्रेणी में लाने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान ने वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप दिया है, वैसे ही चेकडैम और तालाब निर्माण भी सामूहिक प्रयासों से बड़े स्तर पर संचालित किया जाए। यह न केवल जल संकट से निपटने में सहायक होगा, बल्कि प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जिले में तालाबों, ब्लास्टकूपों और चेकडैमों की फोटोग्राफिक ड क्यूमेंटेशन कराएं। साथ ही जनता को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण और भूजल रिचार्जिंग को लेकर प्रदेश सरकार का संकल्प अटल है और इसे समाज की भागीदारी से एक सफल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद पीलीभीत में हुई दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद पीलीभीत में हुई दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री योगी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं, साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

बेसिक स्कूल अलीनगर सुनहरा में "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" थीम पर गांधी जयंती समारोह

लखनऊ/अलीनगर सुनहरा। बेसिक स्कूल अलीनगर सुनहरा

में महात्मा गांधी की जयंती बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गांधी जी के जीवन और विचारों पर आधारित नाटक, भाषण एवं कविताएँ प्रस्तुत कीं। विशेष रूप से बच्चों ने संविधान से जुड़े अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गांधी जी के आदर्श आज भी भारतीय लोकतंत्र और संविधान की आत्मा हैं। प्रधानाध्यापक ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का मार्ग हमें संविधान की मर्यादा और स्वाभिमान की रक्षा करना सिखाता है। उन्होंने बच्चों को संविधान के मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें अध्यापकों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सहारा समूह के खिलाफ बकाया वेतन और अन्य मांगों को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा

लखनऊ। सहारा समूह के खिलाफ बकाया वेतन और अन्य मांगों को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा इस कदर फूटा कि उन्होंने लखनऊ स्थित सहारा सिटी परिसर को पूरी तरह से सील कर दिया। नाराज कर्मचारियों ने न सिर्फ परिसर के सातों गेटों पर ताला

जड़ दिया, बल्कि उन्हें वेल्डिंग कराकर बंद भी कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने बिजली और पानी की सप्लाई भी काट दी, जिससे पूरी क लोनी अंधेरे में डूब गई। कर्मचारियों का कहना है कि सहारा प्रबंधन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है और पूरी तरह से मौन साधे हुए है। इसी के विरोध में सभी कर्मचारी एकजुट होकर धरने पर बैठ गए हैं और किसी भी व्यक्ति को सहारा सिटी के अंदर–बाहर जाने की इजाजत नहीं दे रहे। रात में भी वे जनरेटर चलाकर अपना विरोध जारी रखे हुए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत रॉय के करीबी रिश्तेदारों को धरने की भनक लगते ही पिछवाड़े के गेट से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं, प्रबंधन ने उनकी जायज मांगों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। कर्मचारियों की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं– बकाया वेतन और रुकी हुई सैलरी का तुरंत भुगतान। समस्याओं का स्थायी समाधान। धरने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन कर्मचारियों ने साफ कर दिया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक सहारा सिटी का एक भी गेट नहीं खुलेगा। पुलिस और कर्मचारियों के बीच तीखी बहस हुई, लेकिन कर्मचारी अपने रुख पर अड़े रहे। सहारा समूह के खिलाफ यह बड़ा विरोध न केवल उसकी मौजूदा वित्तीय संकट को उजागर करता है, बल्कि हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रबंधन की चुप्पी और कर्मचारियों की नाराजगी ने सहारा समूह की साख को और गहरा धक्का दिया है। यह घटनाक्रम सहारा समूह की डांवाडोल स्थिति और कर्मचारियों की हताशा को सामने लाता है, जो अब सड़क से लेकर सहारा सिटी तक जोरदार तरीके से अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।

कुत्ते ने अपनी जान देकर बचाई मालिक की जान जहरीले सांप से लड़कर गवांई जान

लखीमपुर खीरी। यह बात बिल्कुल सही कही गई है कि कुत्ता सबसे वफादार जानवर होता है, क्योंकि घर के जब सभी लोग सो रहे होते है तो घर में पला कुत्ता रात भर जागकर घर की पहरेदारी करता है और घर को हर बला से बचाने का पूरा प्रयास करता है। मिली जानकारी के अनुसार निघासन कस्बा निवासी सुरेन्द्र पाल सिंह उर्फ कुक्कू अपने झंडी रोड स्थित मकान में अपनी पत्नी के साथ रहते है। घर के पीछे छोटी आम की बाग है, जहां जहरीले जीव जंतुओं का आना जाना लगा रहता है। उसी बाग से किसी तरह एक जहरीला सांप घर के अंदर प्रवेश कर जाता है। जहरीला सांप किसी को नुकसान पहुंचा पाता उससे पहले घर में पले कुत्ते को पहले एहसास हो जाता है और वह खतरा भांपते हुए कुत्ता तुरंत जहरीले सांप पर झपट पड़ता है। इस लड़ाई के दौरान सांप कुत्ते को काटता भी है। मगर मालिक को सांप कोई नुकसान न पहुंचा पाए जिससे कुत्ता सांप का देर तक मुकाबला करता है और उसे मार देता है। उधर जब कुत्ते पर सांप के जहर का असर होने लगता है तो वह बेसुध होकर गिर जाता है। इस दौरान जब गृह स्वामी सुरेन्द्र पाल सिंह की आंख खुलती है तो वह नजारा देख हैरान रह जाते है और कुत्ते को नजदीकी पशु चिकित्सालय ले जाते है। जहां डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जाता है मगर सांप काफी ज्यादा जहरीला था इस वजह से कुत्ते की मौत हो जाती है। गृह स्वामी सुरेन्द्र पाल सिंह उर्फ कुक्कू का कहना है कि इससे पहले भी कई बार उनका पालतू कुत्ता घर वालों की जान बचा चुका है और घर में प्रवेश करने वाले कई सांपों को वह मार चुका है। कुत्ते की मौत के बाद सुरेन्द्र पाल सिंह काफी उदास है उनका कहना है कि वह घर के सदस्य के रूप में रहता था और आज तक कभी भी किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने नम आंखों के साथ उसको विदाई देते हुए अंतिम संस्कार किया।

प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोन मी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के ६ माह में अब तक प्रदेश भर में ढाई लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष २०२५–२६ में १ लाख ५० हजार लोन वितरित का लक्ष्य रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। वहीं योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर कौशांबी है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है बल्कि उन्हे एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२५–२६ में लक्ष्य १ लाख ५० हजार के सापेक्ष ६ माह में पूरे प्रदेश से २,५५,१७४ युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि २,०८,०६७ आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से ६४,६७३ आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि ६३,००६ युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर जिले ने सबसे अधिक आवेदकों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा

है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत २,२५० युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष पिछले ६ माह में ५,६६६ आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष ४,७८४ आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से २,००३ आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में पिछले ६ माह में जौनपुर ने सबसे अधिक युवाओं को लोन वितरित कर पहला स्थान प्राप्त किया है। आजमगढ़ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जिले के अधिक से अधिक युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का लाभ देने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ देने में अप्रैल–२५ से पहले जिला २५ वें स्थान पर था। वहीं अप्रैल के बाद योजना का लाभ हर जरूरतमंद युवाओं को देने के लिए लगातार ब्लॉक स्तर पर वर्कशाप आयोजित की जा रही है। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बैंकर्स और आवेदकों के आमने–सामने काउंसिलिंग करायी जा रही है। यही वजह है कि पिछले कई माह से आजमगढ़ योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिलाधिकारी ने बताया कि सितंबर माह में भी योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि आजमगढ़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में २,२५० का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष ६ माह में ५,११२ आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से ४,२८५ आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से १,८५६ को लोन वितरित किया जा चुका है। इसका रेश्यो ८२.६२ प्रतिशत है। कौशांबी जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला कर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक युवाओं को योजना का लाभ देने के लिए हर माह बैंकों से साथ बैठक की जा रही है ताकि योजना से संबंधी को कोई समस्या आने पर उसे तत्काल दुरूस्त किया जा सके। यही वजह है कि पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में कौशांबी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कौशांबी को वर्तमान वित्तीय वर्ष में १,७०० का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष ६ माह में ६,६८४ आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से ४,६८८ आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से १,२६६ आवेदकों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि १,१८५ को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा अंबेडकरनगर ने चौथा और झांसी ने प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही योजना का लाभ देने में सिद्धार्थनगर, हरदोई और रायबरेली का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

मिशन शक्ति के अंतर्गत बालिकाओं का उत्सवः ३ से ११ अक्टूबर तक मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह

लखनऊं। उत्तर प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति ५.० के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से ३ अक्टूबर से ११ अक्टूबर २०२५ तक पूरे प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। विदित हो कि ११ अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है और इसी कड़ी में यह सप्ताह बालिकाओं के जीवन, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर विभिन्न गतिविधियों के रूप में आयोजित किया जाएगा। इस सप्ताह की शुरुआत ३ अक्टूबर को ष्ड्रायविंग माय ड्रीम्सश कार्यक्रम से होगी, जिसमे जिला प्रशारान द्वारा ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों से चयनित वयस्क महिलाओं एवं बालिकाओं हेतु न्यूनतम एक माह की अवधि का ड्राइविंग कोर्स प्रारंभ किया जाएगा। प्रत्येक जनपद में कम से कम १०० बालिकाओं एवं महिलाओं को ड्रायविंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और माह के अंत तक उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रयास केवल कौशल विकास तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि दूर–दराज क्षेत्रों की बालिकाओ को आत्मनिर्भर बनने और अपने भविष्य के लिए नए अवसर खोजने में मदद करेगा। ४ अक्टूबर को श्पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेसष

कार्यक्रम के अत्तर्गत बालिकाओ और महिलाओं को उनकी सुरक्षा और आत्मरक्षा से जुडे विभिन्न विषयों पर जागरूक किया जाएगा। सस्थाओ और विद्यालयो मे सत्रो का आयोजन किया जाएगा, जिसमे विशेषज्ञ यह बताएँगे कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में बालिकाएँ या महिलाये स्वय का बचाव कैसे कर सकती हैं। ६ अक्टूबर को सभी बाल देखरेख संस्थानों में श्सेल्फ डिफेंस वर्कश प आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। ७ अक्टूबर को श्एक दिन की जिलाधिकारी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत चयनित बालिकाओं और युवतियों को एक दिन के लिए डीएम की जिम्मेदारी निभाने का अवरार मिलेगा। इरा अभिनव पहल से बालिकाओं को प्रशारानिक और संवैधानिक जिम्मेदारियों को करीब से समझने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिलेगा। ८ अक्टूबर को ब्ल क स्तर पर श्कन्या जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें सरकारी चिकित्सालयों में जन्मी बालिकाओं और उनकी माताओं को सम्मानित किया जाएगा तथा माँ–बेटीश का सामूहिक अभिनंदन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण भी होगा, ताकि बालिकाओं के जन्म को प्रेंति और संरक्षण के साथ जोडा जा सके। ६ अक्टूबर को 'बाल विवाह को न' विषय पर कार्यक्रम के अत्तर्गत रोके गए बाल विवाहों में शामिल बालिकाओ को सम्मानित किया जाएगा और उनकी चुनौतियों एवं संकल्पों पर विशेष चर्चा आयोजित की जाएगी। १० अक्टूबर को श्व्यक्तिगत स्वच्छता संवादश कार्यक्रम के अतर्गत किशोरियों और महिलाओ को व्यक्तिगत एव मासिक धर्म स्वच्छता के विषय पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में सैनिटरी पैड के सुरक्षित प्रयोग एवं निस्तारण पर भी विशेष जानकारी दी जाएगी। सप्ताह का समापन ११ अक्टूबर को 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम के आयोजन के साथ होगा। इसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड एवं सामान्य, आदि योजनाओं की लाभार्थी बालिकाओं और महिलाओं को जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। इस संवाद में बालिकाएँ और महिलाएँ अपनी चुनौतियाँ साझा करेगी और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश की अपर मुख्य सचिव लीना जोहरी ने कहा, 'मिशन शक्ति के अंतर्गत अब तक घर–घर जागरूकता, नुक्कड नाटक, साइक्लोथ न और कन्या पूजन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश पहुँचाया गया है। अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह इसी कडी को आगे बढाते हुए बालिकाओं और महिलाओं को उनके अधिकारों, अवसरों और संभावनाओं से जोडने का एक सशक्त प्रयास है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बेटी या महिला केवल योजनाओं की जानकारी तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक रूप से उनका लाभप्राप्त करे और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए।' उल्लेखनीय है कि उक्त कार्यक्रमों के माध्यम से मिशन शक्ति के ५वें चरण में दिनांक २२ सितम्बर–०१ अक्टूबर, २०२५ के मध्य विभाग द्वारा अभी तक १३,०४,७८४ व्यक्तियों तक अपनी पहुँच बनाई गई है।

मिशन शक्ति से मजबूत हुई महिलाओं की आवाज, सुरक्षा और स्वाभिमान बना जनआंदोलन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति ५.० अभियान नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा दे रही है। ६० दिवसीय विशेष अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास

विभाग ने अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह (३–११ अक्टूबर २०२५) के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में ष्सेल्फ डिफेंस वर्कश पष का भव्य आयोजन किया। इसमें बताया गया कि यदि कोई बालिका या महिला किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करे, तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए और सरकारी व सामाजिक सहायता तंत्र का उपयोग करना चाहिए। प्रदेश के सभी जिला, ब्ल क और गांव स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं और समूह सत्रों में बालिकाओं और महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े अधिकारों और तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। स्कूलों में आयोजित विशेष सत्रों में विशेषज्ञों ने छात्राओं को सिखाया कि विभिन्न सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। इसके माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं को उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा, अधिकारों और कानूनी प्रावधानों से जोड़ना है, ताकि वे आत्मनिर्भर और सुरक्षित जीवन जी सकें। योगी सरकार की इस पहल ने नारी सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इन सत्रों में आत्मरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण, संकट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के तरीके, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयोजित इन कार्यक्रमों में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाएं साझा की। अपने अधिकारों और आत्मरक्षा की जानकारी पाकर उत्साहित छात्राओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें आत्मविश्वास दिया है और परिवार व समाज में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित किया है। योगी सरकार इन कार्यक्रमों का संचालन विषय विशेषज्ञों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षकों की मौजूदगी में कर रही है। इसमें बताया गया कि यदि कोई बालिका या महिला किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करे, तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए और सरकारी व सामाजिक सहायता तंत्र का उपयोग करना चाहिए। यह अभियान नारी सम्मान को मजबूत करते हुए महिलाओं को आत्मरक्षा और जागरूकता की ताकत दे रहा है, जो योगी सरकार के मिशन शक्ति ५.० का मूल आधार है। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह के तहत यह अभियान बालिकाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। सेल्फ डिफेंस वर्कश प से जुड़ी जानकारी हर लड़की के लिए उतनी ही जरूरी है, जितनी शिक्षा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल बालिकाओं की व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ाएगी, बल्कि पूरे प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और समावेशी माहौल के निर्माण को गति देगी।

गांव-गांव जाकर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक कर रही चंदन चौकी पुलिस

लखीमपुर–खीरी। थाना चंदन चौकी के गांव रामगढ़ में शनिवार को शमिशन शक्ति ५श के तहत चंदन चौकी पुलिसकर्मियों ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान महिलाओं और

बच्चियों को सशक्तिकरण और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक ध र्मेंद्र कुमार सिंह, कांस्टेबल अजय पांडे, कान्स्टेबल दीपक पाल, महिला आरक्षी प्रियंका भाटी,महिला आरक्षी विनीता, महिला आरक्षी तनु बाला ने महिलाओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि कैसे विषम परिस्थितियों में महिलाएं अपनी सुरक्षा कर सकती हैं। इसके साथ ही, सरकार द्वारा जारी विभिन्न टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इनमें १०६० (महिला हेल्प लाइन), ११२ (पुलिस आपातकालीन सेवा), १०८ (एम्बुलेंस सेवा) और १०७६ (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) शामिल हैं। उप निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज ५.० के अंतर्गत चंदन चौकी थाना क्षेत्र के गांवों में पुलिस टीम द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है गांवों की महिलाओं और बच्चियों को उनके अधिकारों के साथ–साथ आत्मनिर्भर और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस टीम ग्रामीणों को साइबर क्राइम से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है वही सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी, धोखाधड़ी वाले क ल, ओटीपी और लिंक से बचने के लिए सचेत किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की आपराधिक या आपात स्थिति में पुलिस व प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग तुरंत करना बताया जा रहा।

एडवा का १३वां राज्य सम्मेलन मनुवादी और पितृसत्तात्मक विचारधारा से हक की लड़ाई कमजोर नहीं होने देंगे अधिकारों के लिए साथ चलना होगाः सुभाषिनी अली

लखनऊ। महिलाएं आज भी हिंसा, अशिक्षा, बेरोजगारी और समानता के अधिकार के लिए जूझ रही हैं। सत्ता की मनुवादी और पितृसत्तात्मक विचारधारा से हक के लिए लड़ रही हैं। ये लड़ाई हम कमजोर नहीं होने देंगे। इस लड़ाई में देश–प्रदेश की महिलाओं को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे। यह संकल्प आज यहां अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति एडवा उप्र के उद्यान भवन प्रेक्षागृह सप्रू मार्ग में हुए १३वें राज्य सम्मेलन के पहले दिन सुभाषिनी अली, नेहा दीक्षित, मरियम धावले, मधु गर्ग, वंदना मिश्र जैसी नेत्रियों के बीच प्रतिभागियों ने लिये। राज्य सम्मेलन में १५ जिलों की १३० महिलाएं हिस्सेदारी कर रही हैं। दूसरे दिन कल प्रतिनिधियों कस सम्मेलन होगा। मुख्य अतिथि के तौर पर बदलती पत्रकारिता की चर्चा करते हुए कई मुकदमे झेल रही मैनी लाइफ आफ सईदा एक्स किताब की लेखिका नेहा दीक्षित ने कहा कि खेत, घर, जमीन, बस्ती, यौनिक हिंसा और शिक्षा जैसे सारे मुद्दे महिलाओं से जुड़े हुए हैं, किंतु मीडिया में महिलाओं को बस रसोई तक सीमित कर दिया जाता है। आज की नारी बहुत से बंधनों से मुक्त हो रही है, पर इसे अपनाया या स्वीकार नहीं किया जा रहा। तकनीकी विकास और डिजिटलीकरण के बावजूद ढुलमुल सरकारी नीतियों के कारण महिलाओं को उनके हक नहीं मिल पा रहे। यहां तक कि राशन पाने का अधिकार भी मेहनतकश महिलाओं

को डिजिटलीकरण में दुश्वारियों के कारण नहीं मिल पा रहा। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वेतन नहीं मात्र सहयोग राशि ही मिल रही है। अपनी पुस्तक की नायिका सईदा और रेशमा के संग बादाम छीलने के काम में जुटी महिलाओं की बदहाली और संघर्ष की बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं सशक्त और कामकाजी हैं, जरूरत इस बात की है कि उन्हें सही से और बराबरी के साथ काम करने दिया जाए। एडवा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाषिनी अली ने आज प्रदेश महिलाओं के प्रति अपराधों में अव्वल है। दलितों और महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। स्कूल बंद हो रहे हैं और अभी पांच हजार और स्कूल बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। प्रदेश में एक हजार में सबसे ज्यादा ७० नवजात की मृत्युदर प्रदेश में है, जबकि केरल में यह दर मात्र पांच है। यहां प्रसूताओं की मृत्युदर भी बहुत ज्यादा है। सत्ता में बैठी मनुवादी सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि देश अडानी और अम्बानी जैसे कारपोरेट घरानों को सौंपा जा रही है। बिजली के लिये गांवों तक में स्मार्ट मीटर थोपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है कि इस प्रदेश में बलात्कारियों को सम्मानित किया जाता है। हाथरस काण्ड में दिवंगत पीड़िता के परिवार के सदस्य को कोर्ट के आदेश के बावजूद नौकरी न दिये जाने की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हम मनुवाद स्वीकार नहीं करेंगे। संविधान में दिये अधि ाकारों के लिए लड़ेंगे। अगर हम आज भी एक दूसरे का हाथ पकड़कर साथ नहीं चलेंगे तो हम पर भी बुलडोजर चल जाएगा। हर महिला का दर्द हमारा दर्द है। जरूरत है कि हम सबको साथ लेकर अपनी लड़ाई और तेज करें। सम्मेलन का उदघाटन करते हुए महासचित मरियम धावले ने २६ राज्यों में हुए एडवा सम्मेलन के हवाले से कहा कि हर महिला, हर व्यक्ति को अपनी काबलियत के साथ इज्जत के साथ जीने का हक है। हर जगह से संविधान बचाने और अधिकार पाने के लिए आवाजें उठ रही हैं। जो सत्ता में हैं, वे हमे अधिकारों से वंचित कर रहे हैं। हमारी लड़ाई अपने अधिकारों के साथ ही काम की जरूरत,मंहगाई, शिक्षा, पानी, जमीन आदि को लेकर भी है। छात्रवृत्ति, शिक्षा नीति और राशन पाने की नीति बदलने के लिए भी हमें लड़ना होगा। लड़कियों की शिक्षा बंद नहीं होनी चाहिए। समाज के अंदर हिंसा बढ़ने से महिलाओं की जिंदगी असुरक्षित होती जा रही है। मधु गर्ग के संचालन में चले समारोह मेंस्वागत भाषण मेंसामाजिक कार्यकत्री वंदना मिश्र ने लखनवी कला संस्कृति का जिक्र करते हुए शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आनर किलिंग, महिला अपराधों में प्रदेश आगे है। हमें बाहरी नहीं भीतरी जंजीरें भी तोड़नी होंगी। इससे पहले युद्ध, आपदाओं में मृत और अशोक गर्ग जैसे दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बुशरा नकवी के गाए हम मेहनतकश जगवालों से..... गीत से प्रारम्भ हुए सम्मेलन में ३४४ दिनों से अमौसी एयरपोर्ट भूमि अधिग्रहण के खिलाफ धरना दे रही महिलाओं की प्रतिनिधि सुषमा और सीमा यादव और अकबरनगर के लिये लड़ने वाली बुशरा सुमन पाण्डे को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रो.नदीम हसनैन, प्रो.रमेश दीक्षित, वंदना राय, सरोज कुशवाहा, किरन, सुमन सिंह, सीमा कटियार, नाइश हसन और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

ऐसी घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता, जूता उछालने की कोशिश पर बोले CJI गवई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को उस समय एक नाटकीय दृश्य देखने को मिला जब एक वकील ने सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की। जब आरोपी को अदालत कक्ष से बाहर ले जाया जा रहा था, तो वह चिल्लाया, भारत सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। आज की घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ ही सप्ताह पहले मुख्य न्यायाधीश की व्यापक रूप से आलोचना हुई थी, क्योंकि उन्होंने मध्य प्रदेश में क्षतिग्रस्त विष्णु मूर्ति की पुनर्स्थापना से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी जाओ और देवता से ही पूछो। आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया, जबकि मुख्य न्यायाधीश गवई शांत रहे और बिना किसी रुकावट के कार्यवाही जारी रखी। उन्होंने कहा कि इस सब से विचलित न हों। ये

बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। सुनवाई जारी रखें। इस बीच, उन्होंने घटना पर चर्चा करने के लिए महासचिव और सुरक्षा प्रभारी सहित अदालत के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक वकील के अनुसार, जूता न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन से बाल–बाल बचा, जिसके बाद आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर ने माफी मांगते हुए कहा कि जूता मुख्य न्यायाधीश के लिए था। सुप्रीम कोर्ट के वकील रोहित पांडे ने कहा कि आरोपी २०११ से बार एसोसिएशन का सदस्य है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यह कृत्य मुख्य न्यायाधीश की देवता संबंधी टिप्पणी के जवाब में किया गया है। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूँ और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माँग करता हूँ। वकील राकेश किशोर को रिहा कर दिया गया। दिल्ली पुलिस ने उन्हें अदालत परिसर में ही अपनी हिरासत से मुक्त कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में वकील की हरकत पर बार काउंसिल सख्त, लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश के बाद, बार काउंसिल अ फ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले किशोर को आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई तक देश भर की किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या कानूनी प्राधिकरण में वकालत करने से रोक दिया गया है। एक कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, जिसमें अधिवक्ता को आदेश प्राप्त होने के १५ दिनों के भीतर जवाब देना होगा, जिसमें यह बताना होगा कि निलंबन जारी क्यों नहीं रखा जाना चाहिए और आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली बार काउंसिल को बिना किसी देरी के आदेश लागू करने का निर्देश

दिया गया है। इसमें वकील की स्थिति को अपनी आधिकारिक सूची में अपडेट करना और अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी अदालतों और न्यायाधिकरणों को निलंबन के बारे में सूचित करना शामिल है। इससे पहले, दिन में सुप्रीम कोर्ट में उस समय कोर्टरूम ड्रामा शुरू हो गया जब एक वकील ने सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश की। राकेश किशोर को कोर्टरूम से बाहर ले जाते समय उन्होंने चिल्लाकर कहा कि भारत सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। आज वकील राकेश किशोर से जुड़ी यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ ही हफ्ते पहले मध्य प्रदेश में क्षतिग्रस्त विष्णु प्रतिमा के जीर्णोद्धार पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने जाओ और भगवान से पूछो वाली टिप्पणी की थी, जिसके लिए उन्हें जनता और कानूनी समुदाय की आलोचना का सामना करना पड़ा था।

कैंसर पीड़ित पत्रकार की मदद को बढ़ाया हाथ

जनसरोकारों के प्रतीक–विश्वास स्वरूप अग्रवाल

लखनऊ। समाजसेवा और जनहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने वाले उत्तर प्रदेश के प्रख्यात उद्योगपति विश्वास स्वरूप अग्रवाल, हमेशा अपने कर्मों से यह साबित करते हैं कि संवेदना और सेवा ही सच्चे विकास का आधार हैं। हाल ही में उन्होंने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार पाण्डेय के कैंसर उपचार के लिए ६४ लाख की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। उनके इस सहयोग से वाराणसी स्थित टाटा इंस्टीट्यूट में अजय का सफल अ परेशन संभव हो सका। यह केवल मदद नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उनके समर्पण की मिसाल है। विश्वास स्वरूप अग्रवाल पिछले कई वर्षों से समाज के हर वर्ग के लिए विकास और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के आग्रह पर उन्होंने ३५ लाख की लागत से ०५ पार्कों में ओपन जिम स्थापित कराए, जिससे बच्चों, युवाओं और

बुजुर्गों में फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति नई जागरूकता आई है। इसके पहले उन्होंने केजीएमयू के ब्लड बैंक के लिए ६७० लाख की सहायता दी थी, जिससे गंभीर मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में काफी मदद मिली। अयोध्या धाम के मिल्कीपुर क्षेत्र में उन्होंने ६८ लाख की लागत से २५ सोलर लाइटें लगवाईं, जिससे अब वहां की गलियां रोशनी से जगमगा रही हैं और अंधेरे में होने वाले अपराधों पर भी रोक लगी है। इसी क्रम में हाल ही में उन्होंने लोकबंधु हॉस्पिटल (एलडीए कॉलोनी, लखनऊ) को इको २डी मशीन हेतु १० लाख की सहायता दी है। अब हृदय रोगियों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। विश्वास स्वरूप अग्रवाल का मानना है, "समाज को लौटाना ही सफलता का सबसे बड़ा पुरस्कार है। जब तक दूसरों के चेहरे पर मुस्कान नहीं लाते, तब तक अपनी सफलता अधूरी है।" उनके ये कार्य साबित करते हैं कि जब संवेदनशील नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता एक साथ चलते हैं, तब एक बेहतर समाज की दिशा में ठोस कदम उठते हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का नया अध्याय! राजनाथ सिंह करेंगे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ७ अक्टूबर, २०२५ को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'देश में रक्षा विनिर्माण के अवसर' पर एक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय (डवक) के तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन, रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ क्षेत्रीय औद्योगिक नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास को संरेखित करने के उद्देश्य से, MoD और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए एक केंद्रित मंच प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के दौरान, रक्षा मंत्री नए 'डिफेंस एक्जिम पोर्टल' का शुभारंभ करेंगे, जिसे निर्यात और आयात प्राधिकरण जारी करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही, श्रीजन डीईईपी (रक्षा प्रतिष्ठान और उद्यमी मंच) पोर्टल भी लॉन्च करेंगे, जो भारतीय रक्षा उद्योगों की क्षमताओं और उत्पादों का मानचित्रण करने वाला एक डिजिटल संग्रह है। इस अवसर पर दो प्रमुख प्रकाशन 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र नीति संग्रह' और iDEX कॉफी टेबल बुक 'नवाचार के साझा क्षितिज' का भी विमोचन किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उद्योग विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ लाकर भारत के रक्षा

विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करना है। यह सम्मेलन स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने, रक्षा निर्यात बढ़ाने और इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए चल रहे राष्ट्रीय प्रयासों पर भी प्रकाश डालेगा।

सोनिया गांधी ने CJI पर जूता फेंकने की घटना को बताया संविधान पर आघात

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई घटना की निंदा की है, जिसमें एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंककर हमला करने की कोशिश की। सोनिया गांधी के बयान में कहा गया भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर सर्वोच्च न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला

है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं, लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। यह चौंकाने वाला बयान ७१ वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा कथित तौर पर अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता फेंकने के बाद आया है, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले किशोर को आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई तक देश भर की किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या कानूनी प्राधिकरण में वकालत करने से रोक दिया गया है। एक कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, जिसमें अधिवक्ता को आदेश प्राप्त होने के १५ दिनों के भीतर जवाब देना होगा, जिसमें यह बताना होगा कि निलंबन जारी क्यों नहीं रखा जाना चाहिए और आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली बार काउंसिल को बिना किसी देरी के आदेश लागू करने का निर्देश दिया गया है। इसमें वकील की स्थिति को अपनी आधिकारिक सूची में अपडेट करना और अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी अदालतों और न्यायाधिकरणों को निलंबन के बारे में सूचित करना शामिल है। इससे पहले, दिन में सुप्रीम कोर्ट में उस समय कोर्टरूम ड्रामा शुरू हो गया जब एक वकील ने सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश की। राकेश किशोर को कोर्टरूम से बाहर ले जाते समय उन्होंने चिल्लाकर कहा कि भारत सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा।

लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग पर कुम्भी के निकट दो बसों की आमने–सामने भिड़ंत।

अमीरनगर खीरी। कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग पर कुम्भी के निकट दो बसों की आमने–सामने भिड़ंत। दिल्ली जाने बाली स्लीपर बस और लखीमपुर टू मोहम्मदी चलने बाली बस के बीच जबरदस्त भिड़ंत मोहम्मदी टू लखीमपुर चलने बाली बस का ड्राइवर फंसा, ग्रामीणों की सूझबूझ और कड़ी मस्कत के बाद ड्राइवर को निकाला गया। गम्भीर रुप से घायल हुआ ड्राइवर, दोनों बसों में बैठे यात्री बाल बाल बचे।

सावधान माता-पिता! बच्चों को न दें ये कफ सिरप, यूपी में लगा प्रतिबंध, जानें खतरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने कई बच्चों की मौत से जुड़े कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगे किसी भी तरह के नुकसान को रोकने के लिए कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है और लोगों से इस प्रकार के कफ सिरप का सेवन न करने का आग्रह करते हुए एक एडवाइजरी जारी की है। ब्रजेश पाठक ने एएनआई को बताया, 'यह बहुत दुखद है कि कफ सिरप पीने से कई बच्चों की जान चली गई। हमारी सरकार ने कभी भी ऐसा कफ सिरप नहीं खरीदा। हमने राज्य के लोगों से इस प्रकार के कफ सिरप का सेवन न करने का आग्रह करते हुए एक एडवाइजरी भी जारी की है। हमने राज्य में कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है।' यह प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इस बात की पुष्टि के बाद लगाया गया है कि तमिलनाडु में श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक है। डीईजी एक जहरीला पदार्थ है जिसका उपयोग औद्योगिक सॉल्वैंट्स में किया जाता है और

यह थोड़ी मात्रा में भी निगलने पर घातक हो सकता है। गुणवत्ता में कमी लाने वाली कमियों की पहचान करने और प्रक्रिया में सुधार के सुझाव देने के लिए छह राज्यों में जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कथित तौर पर एक कफ सिरप के सेवन से कम से कम १४ लोगों की मौत हो गई है, जबकि आठ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, राजस्थान, तेलंगाना, केरल समेत कई राज्यों ने एडवाइजरी जारी कर कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ जाँच शुरू कर दी है और वह कार्रवाई करेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है और बच्चों को कफ सिरप देने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश के सहायक औषधि प्रशासन आयुक्त ने सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं कि वे उत्तर प्रदेश भर के सरकारी और निजी संस्थानों से श्रीसन फार्मास्युटिकल, छिंदवाड़ा द्वारा निर्मित कफ सिरप के नमूने एकत्र करें। इन नमूनों को परीक्षण के लिए लखनऊ स्थित एक प्रयोगशाला में भेजा जाएगा।

'हम तो चले हरिद्वार' संग्रह का विमोचन और मंचन

लखनऊ। बिम्ब सांस्कृतिक समिति की ओर से संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से नवीनतम हास्य नाटक 'हम तो चले हरिद्वार' की प्रस्तुति होगी। राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में १२ अक्टूबर को शाम सवा सात बजे रामकिशोर नाग के लिखे नाटक के मंचन से पहले तीन बजे इसी शीर्षक से सद्य प्रकाशित नाट्य संग्रह का विमोचन भी बली हाल में ही होगा। संस्था के सचिव महर्षि कपूर ने बताया कि राम किशोर नाग ने अब तक ममता, रांग नम्बर, बंगला नम्बर ३०२, कबीर एक ध्रूव तारा, से मोहन, द कान्ट्रैक्ट आदि ४६ नाटक लिखे हैं। इनमें से अधिकांश मंचित हो चुके हैं। नाट्य संकलन हम तो चले हरिद्वार से पहले उनके लिखे तीन तीन नाटकों के दो नाट्य संग्रह 'वन टू का फोर' और 'इटैलियानो' भी प्रकाशित हो चुके हैं। नाटक का पूर्वाभ्यास महर्षि कपूर के निर्देशन में जानकीपुरम में चल रहा है।

आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया: भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि आलोचनाओं ने उन्हें और ज्यादा प्रेरित किया है। मिल्केन इंस्टीट्यूट के १२ वें एशिया समिट में दुनियाभर के बड़े लीडरों के बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी निजी कहानी, हिम्मत और जिम्मेदारी की बात से सबको प्रभावित किया। भूमि पेडनेकर ने बताया कि जब वह अभिनेत्री बनने का सपना देखती थीं, तो उन्हें पर्दे पर अपनी तरह की महिलाएं नहीं दिखती थीं। उन्होंने

कहा मुझे हमेशा से पता था कि मैं एक कलाकार बनना चाहती हूं, लेकिन बड़े होते हुए मुझे पर्दे पर अपने जैसी लड़कियां नहीं दिखीं। जब भी मैंने लोगों को अपने सपने के बारे में बताया, तो वे मुझ पर हंसे। उन आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया और मैंने सोचा, मैं उन्हें करके दिखाउंगी। भूमि ने कहा कि उनकी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' ने उन्हें सिनेमा की असली ताकत दिखाई।

देश के पहले क्लीनिक में डॉक्टरों को केस आधारित प्रशिक्षण भी दिया जाएगा

लखनऊ। केजीएमयू रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग ने कफ रोगियों के लिए एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (एपीआई) के साथ मिलकर अलग क्लीनिक शुरू किया गया है। ये देश का पहला कफ

क्लीनिक होगा। क्लीनिक के लिए स्थानीय फैमली फिजिशियन को प्रशिक्षित भी किया जाएगा, सोमवार से इसकी शुरुआत भी कर दी गई। रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि कफ सिरप को लेकर देश भर में बवाल मचा है। ये बवाल बच्चों के कफ सिरप को लेकर है, लेकिन बड़ों के कफ सिरप को लिखने में भी सावधानी बरतने की जरूरत है। डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि कफ क्लीनिक की पहल एक वैज्ञानिक और शैक्षणिक अभियान के तहत की गई है। इसमें देशभर में १० कफ सेंटर अ फ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इसके तहत एक वर्ष में १००० से अधिक डॉक्टरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। सोमवार से लखनऊ व आस-पास के १५० डॉक्टरों का प्रशिक्षित शुरू किया गया। डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि कफ क्लीनिक्स का मकसद डॉक्टरों को सरल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खांसी के मूल्यांकन और इलाज में सक्षम बनाना है। यहां डॉक्टरों को केस पर आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें खांसी की पहचान, उसकी आवाज से निदान और लक्षणों के अनुसार उचित इलाज पर जोर रहेगा। उन्होंने बताया कि कफ क्लीनिक में सिरप की बारीकियां समझाई जाएंगी। किन मरीजों को सिरप देना है किन्हें नहीं दिया जाना है, कफ सिरप की डोज कैसे निर्धारित करें आदि बारीकियों को सिखाया जाएगा। डॉ. सूर्यकांत ने कहा कि एक हफ्ते से खांसी आ रही है तो भाप लें। खांसी ठीक हो जाएगी। लगातार दो सप्ताह से खांसी आ रही है तो डॉक्टर की सलाह लें।

व्यक्ति का निर्वस्त्र शव मिला, पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के जंगल में सोमवार को एक युवक का निर्वस्त्र शव बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि अमघटी के जंगल में एक युवक का निर्वस्त्र शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान गोकुला बुजुर्ग निवासी कर्ताराम वर्मा (३८) के रूप में हुई है। उतरौला के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वर्मा रविवार की शाम अपने घर से निकला था और सोमवार को उसका शव बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lt; cktib
lhrkij
ek-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dekj] fcgkj
ek-09386075289
मो० अरशद
C;jk phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक